शोध मंथन Vol. XV No.IV Oct.- Dec. 2024 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

G-20 में भारत के उभरते ग्लोबल लीडर की भूमिका

प्राप्तिः 15.10.2024
स्वीकृतः 20.12.2024

79

डॉ. चन्द्रलोक भरती
एसोसिएट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
मारवाड़ी कॉलेज भागलपुर ति.मॉं.
भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर
Email: clbharti21@gmail.com

सारांश

भारत की समूह G-20 की अध्यक्षता वैश्विक नेतृत्व की उसकी भूमिका के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने जा रही है। वसुधैव 'कुटुम्वकम' जो एक परिवार एक भविष्य का अनुभव करता है। ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने के लिए भारत अपनी G-20 नेतृत्व की भूमिका का उपयोग कर रहा है और ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में नई दिल्ली अपनी साख मजबूत कर सकती है। यह सत्य है कि तीसरा बहुपक्षीय संस्थाओ का अधिक समावेशी और जिम्मेदार बनाने के लिए उनमे सुधार करना भारतीय विदेश नीति की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। दरसल हमारा देश पहली बार विश्व के सबसे शक्तिशाली समूह G-20 की अध्यक्षता कर रहा है। भारत में उसकी अध्यक्षता 1 दिसम्बर 2022 को ग्रहण की है। G-20 का मुख्य उद्देश्य अन्तराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में G-20 महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। G-20 शिखर सम्मलेन वैश्विक समुदाय के सामने भविष्य में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इस दौरान विश्व की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली मुद्दो पर चर्चा करने के लिए एक साथ मंच साझा करने आएगें। वर्तमान रूस–उक्रेन युद्ध, COVID–19 महामारी और एक स्थायी और समावेशी आर्थिक सुधार की आवश्यकता शामिल है।

वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दो पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रियों और केन्द्रिय बैंक के गर्वनरो के लिए एक मंच रूप मे एशियाई वित्तीय सकंट के बाद 1999 में G-20 की स्थापना की गई थी। उसका मुख्यालय मेक्सिको में है। वर्ष 2024 में आयोजित होने वाली G-20 शिखर सम्सेलन की अध्यक्षता ब्राजील करेगा।

G-20 का उद्देश्य

वैश्विक आर्थिक स्थिरता और सत्त विकास प्राप्त करने के लिए अपने सदस्यों के बीच नीतियों का समन्वय करना, संकट को कम करने और भविष्य के वित्तीय सकंट को रोकने के लिए वित्तीय नियमन को बढ़ावा देना। एक नयी अन्तराष्ट्रीय वित्तीय संरचना तैयार करना।

प्रस्तावना

G-20 के राष्ट्रध्यक्षों और शासनाध्यक्षों का 18वां शिखर सम्सेलन 9 और 10 सितंबर को दिल्ली में आयोजित होगा,यूएन,आइएलओ,इब्यूएचओ,आइएमएफ आदि अन्तराष्ट्रीय संगठनो को भी इसमें आंमत्रित किया गया है। ठस समूह का महत्व इसलिए भी अधिक है,क्योकि यह 85 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और लगभग दो-तिहाई वैश्विक जनसख्या का प्रतिनिधित्व करता है। बीते वर्ष दिसम्बर में भारत को पहली बार इस समूह की अध्यक्षता मिली और अपने अटल इरादों के साथ उसने जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था के बीच चर्चा और पहल की है,अपनी विविधता भरी अर्थव्यवस्था,तकनीकी कौशल और सत्त विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ,इस मंच,पर अपने अनूठे दृष्टिकोण को रखा है।

अध्यक्षता करते हुए हमारे देश ने समावेशी विकास,डिजिटल नवाचार,जलवायु लचीलापन और समान वैश्विक स्वास्थ्य पहुँच जैसे विभिन्न मुद्दों पर देशों व संगठनो का ध्यान आकर्षित किया है। अध्यक्षता के जरिये भारत ने ऐसे सहयोगात्मक समाधानों को बढ़ावा दिया है,जो न केवल उसके अपने लोगों को लाभान्वित करेगें, बल्कि वैश्विक कल्याण के लिए भी लाभकारी साबित होंगें। भारत का यह कदम **वसुधैव कुटुंबकम या विश्व एक परिवार है**, की अवधारणा को मजबूती देता है।

क्या है ग्रुप ऑफ ट्वेंटी

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी G-20 अन्तराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। यह सभी प्रमुख अन्तराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक सरंचना और अधिशासन (ग्लोबल आर्किटेक्चर करने में गवर्नेस) निर्धारित करने तथा उसे मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वर्तमान में भारत G-20 का अध्यक्ष है। उसे यह अध्यक्षता एक दिसम्बर 2022 को मिली और वह 30 नवम्बर, 2023 तक इसकी अध्यक्षता करेगा। समूह के सदस्य देश व संगठन G-20 देश में अर्जेटिना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी, अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्कियो, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और यूरोपिय संघ के प्रतिनिधि शामिल है। G-20 के सदस्य देशो व यूरोपिया संघ के अतिरिक्त इस समूह के प्रत्येक अध्यक्ष अन्य अतिथि देशों और अन्तराष्ट्रीय संगठनो को G-20 की बैठकों व सम्मेलनों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते है। इस बार के अध्यक्ष भारत ने जिन देशों को अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है उनमें बांग्लादेश, मिस्त्र, मॉरिशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमन सिंगापूर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात शामिल है। जब कि यूएन, आइएमएफ, डब्ल्यूबी, डब्ल्यूएचओ, आइएलओ, एफएसबी और ओसीईडी जैसे नियिमित अतिथि संगठनो के अतिरिक्त भारत नें इंटरनेशनल सोलर अलायसं, को अलिशन फॉर डिजास्टर रिसिलिएंट इफ्रांस्टक्चर और एशियन डेवलपमेंट बैंक जैसे अन्तराष्ट्रीय संगठनो को आमंत्रित किया है।

85 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व

स्मूह-20 के सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और दुनिया की जनसंख्या के लगभग दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते है। यह समूह दुनिया की प्रमुख उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों को एक साथ ले आता है।

वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में हुआ गठन

इस समूह का गठन 1999 में वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्ण एशिया को प्रभावित किया था। असल में जून,1999 में कोलोन, जर्मनी में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में वित्त मंत्रियो ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए G-20 के विकास का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद दिसम्बर 1990 में वित्त मंत्रियों और केंन्द्रिय बैंक के गवर्नरो के लिए एक मंच के रूप में इस समूह का बठन हुआ, ताकि यहां वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दो पर नियमित चर्चा हो सके। वर्ष 2007 के वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संकट को देखते हुए 2008 के नवम्बर में समूह को राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों के स्तर तक अपग्रेड किया गया और 2009 में इसे अतंराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच नामित किया गया। इस प्रकार यह समूह राष्ट्रो/सरकारों के प्रमुखों के बीच वार्ता का प्रमुख मंच बन गया। वर्ष 2008 के नवम्बर में हुई बैठक में पहली बार वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संकट का सामना करने के लिए अन्तराष्ट्रीय सहयोग जुटाने का प्राथमिक मंच बना हुआ है। वर्ष 2011 के बाद से इस G-20 शिखर सम्मलेन प्रतिवर्ष एक अलग अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित किया जाता है। यानी, प्रतिवर्ष इस समूह की अध्यक्षता करने का अवसर एक अलग सदस्य देश को मिलता है।

अध्यक्ष का विषय

भारत के G-20 अध्यक्षता का विषय है वसुधैव कुटुंबकम विषय के नीचे वसुधैव कुटुंबकम का अर्थ समझाते हुए अंग्रेजी में लिखा है वन अर्थ, वन फैमिली,वन फ्यूचर, यानी एक पृथ्वी एक कुटुंब एक भविष्य,यह विषय सभी प्रकार के जीवन मूल्यो मानव,पशु, पौधे,व सूक्ष्मजीव और पृथ्वी एंव व्यापक ब्राह्मंड में उनके परस्पर संबंधो की पुष्टि करता है।

इस तरह की संरचना है ग्रुप ऑफ ट्वेटी की गुप ऑफ ट्वेटी दो ट्रैकों में बंटा हुआ है फाइनेंस ट्रैक और शेरपा ट्रैक। वित्त मंत्री और केंन्द्रिय बैंक के गर्वपर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते है,जबकी शेरपा ट्रैक का नेतृत्व शेरपा करते है,इन्ही दोनों ट्रैकों के भीतर कार्य समूह है,जिनमें सदस्यों के संबंधि मंत्रालयो के साथ-साथ आमंत्रित/अतिथि देशों और विभिन्न अन्तराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेते है,ये कार्य समूह प्रत्येक अध्यक्षता के पूरे कार्यकाल में नियमित बैठक करते है।

इन दोनो ट्रैको के अतिरिक्त,ऐसे संपर्क व सहभागी समूह भी है,जो G-20 देशों के नागरिकों, नागरिक समाजों, सांसदों, थिंक ट्रैकों, महिलाओं, युवा, श्रमिकों, व्यवसायों व शोंधकर्ताओं को एक साथ लाते है। जो देश वर्तमान में G-20 की अध्यक्षता करता है, पिछले और अगले अध्यक्ष पद ग्रहण करने वाले देश के साथ मिलकर ट्रोइका बनाता है, ताकि इस समूह की कार्य सूची, यानी एजेंडें की निरंतराता बनी रहे। वर्तमान में इंडोनेशिया (2022), भारत (2023) और ब्राजील (2024) ट्रोइका देश है।

शेरपा ट्रैक शेरपा पक्ष की ओर से G-20 के एजेंडें और कार्यो का समन्वय देशों के प्रतिनिधि ायों, जिन्हें शेरपा कहा जाता है, ये शेरपा वर्ष के दौरान हुई वार्ता का निरीक्षण करते है शिखर सम्मेलन के लिए कार्य सूची की विषय-वस्तु पर चर्चा करते है और G-20 के मूलभत कार्य का समन्वय करते हैं। इनके कार्य मुख्य रूप से कृषि भ्रष्टाचार-विरोधी, जलवायु, डिजिटल अर्थव्यवस्था, शिक्षा,रोजगार,

ऊर्जा,पर्यावरण, स्वास्थ्य, पर्यटन, व्याापर और निवेश जैसे सामाजिक–आर्थिक मुद्दो पर केंद्रित होते है। इन मुद्दो से जुड़े हुए G-20 के कार्य समूहों के साथ मिलकर शेरपा काम करते हैं।

फाइनेंस ट्रैक इस ट्रैक के प्रमुख आमतोर पर वर्ष में चार बार बैठक करते हैं, जिनमें से दो बैठकों विश्व बैंक/अतंराष्ट्रीय मुद्रा बैठको विश्व बैंक/अतंराष्ट्रीय मुद्रा कोश की बैठको से इतर आयोजित की जाती है। इस ट्रैक का कार्य मुख्य रूप से वैश्विक, अर्थव्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय नियमन, वित्तीय समावेश, वित्तीय अतंराष्ट्रीय संरचना और अतंराष्ट्रीय कराधान जैसे वित्तीय और मौद्रिक नीतियों से संबंधित मुद्दो पर केंद्रित रहता है।

निष्कर्ष

हम कह सकते है कि भारत की उभरती लोकप्रियता एवं अर्थव्यवस्था की बढ़ती साख निश्चित रूप से G-20 की अध्यक्षता वैश्विक नेतृत्व की भूमिका मील का पत्थर साबित हो रहा है। आज भारत सिर्फ सामाजिक द्रष्टिकोण से ही नही आर्थिक द्रष्टिकोण से भी विश्व कें 5 वें स्थान पर ला खड़ा कर दिया है। आज का भारत गाँधी,डॉ. अम्बेंडकर, ए.पी.जे अब्दुलकलाम, के सपनो का भारत विश्वगुरू का सपना साकार कर रहा हैं। 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुचँ जाएगा। एक दशक के पश्चात् भारत विश्व की तीसरी आर्थिक भारत के रूप में उभर कर सामने आएगी। भारत प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक एक शान्ति प्रिय देश रहा है। कभी भी पहले भारत किसी पड़ोसी एंव अन्य देंशो पर युद्ध नही किया है, बल्कि विश्व की समय-समय पर शांति का सन्देश ही नही दिया है बल्कि शांति की दिशा में हर कदम पर विश्व को दिशा निर्देश भी देता रहा है। चाहे शीतयुद्ध के कार्यकाल रूस-उक्रेन युद्ध शांति का सतत् प्रयास हो,या COVID-19 का कार्यकाल हो, भारत हमेशा विश्व समुदाय को One Earth One Family & One Future के सिद्धांत को लेकर चला है। अतः भारत G-20 की लीडरशीप निश्चित रूप से विश्व गुरू बनाने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। आज विश्व समुदाय भारत की हर एक बात को स्वीकार ही नही कर रहा है बल्कि भारत को एक सच्चे नेतृत्व कर्त्ता के रूप में देख रहा है।

सन्दर्भ

1. New one Air-India
2. http//newsonair.com.2022/12/24
3. https://www.g20
4. https://Moes.gov.in>Moes-g20
5. https://timesofindia.indiatimes.com>
6. https://www.g20.org>logo-theme
7. Prabhat Khabar, Bhagalpur-29/08/2023
8. Prabhat Khabar, Regional, Bhagalpur-02/09/2023
9. Hindustan Paper: Regional, Bhagalpur 01/02/2023
10. hptts://northmed.com>g20-summit